हर मॉ अपने बच्चें को दे अभिमन्यु जैसा संस्कार-कोठारी
महिलाओं में श्रेष्ठ समाज बनाने की ताकत

आबू रोड, 16 जून, निसं। भारत माता और वन्देमारतम के शब्दों के साकार करते हुए यदि महिला ठान ले तो वह एक नया समाज बना सकती है। उसमें समाज को बदलने की पूरी शक्ति है। यदि समाज के प्रत्येक मॉ अपने बच्चे को गर्भ से ही अच्छे संस्कार देकर अभिमन्यु जैसा बना सकती है। उक्त उदगार **राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी** ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शांतिवन में देशभर से ध्यान योग साधना शिविर में आयी महिलाओं को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि स्त्री जहॉ भी रहे वह संस्कार देने की भावना से कार्य करना प्रारम्भ कर दे। इससे पुरूषों में भी एक जागृति आयेगी। हर मॉ में ऐसी शक्ति है जो वह अपने बच्चे को अभिन्यु जैसा बना सकती है। महाभारत में इसी कारण उदाहरण के रूप में इसकी प्रस्तुति दी गयी है। आज की शिक्षा केवल रोटी कमाने के लिए , पेट भरने के लिए है। इससे नैतिक संस्कार नहीं बनता है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान दुनिया भर में एक ऐसा संस्थान है जिसकी बागडोर माताओं बहनों के हाथ में हैं। पूरे विश्व में इस मुहिम को तेजी से फैला सकती है। उन्होंने सभा में उपस्थित हजारों संस्था से जुड़ी संस्कारित माताओ बहनों से आह्वान करते हुए कहा कि सब मिलकर एक क्रांति का आगाज करें जिससे एक नया समाज बनाया जा सके।

संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि यह संस्थान महिलाओं को शक्ति बनाने का पिछले 80 वर्षों से प्रयास कर रहा है। जिसमें आज लाखों भाई बहनें अपने जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। **राजयोग शिक्षिका बीके गीता** ने कहा कि परमात्मा ने माताओं बहनों को आगे कर ही नया संसार बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करा रहे हैं। जितना हम अन्दर से मजबूत होंगे उतना ही हमारे अन्दर शक्ति का संचार होगा।

दादी से मुलाकात
मानवीय मूल्य मनुष्य की असली सम्पत्ति-दादी

आबू रोड, 16जून, निसं। **राजस्थान पत्रिका के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी ने संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी से मुलाकात की।** करीब आधे घंटे चली मुलाकात में कई सामाजिक कार्यो पर चर्चा हुई। दादी ने कहा कि मनुष्य के अन्दर मूल्य ही उसकी असली पहिचान है। परमात्मा ने हम सभी को इस सृष्टि पर अच्छा और श्रेष्ठ कार्य करने के लिए ही भेजा है। परन्तु मनुष्य बुरे कर्मो के कारण आसुरी स्वभाव धारण कर चुका है। इसलिए परमात्मा आकर नयी दुनिया बना रहे हैं।

कोठारी ने दादी से आग्रह किया पूरे विश्व में यह एक अभियान चलाया जाये कि हर नारी शक्ति स्वरूप बनकर आने वाली जनरेशन को बेहतर संस्कार दें। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाने का भी आग्रह किया। इसपर दादी ने सहमति जताते हुए इसे आगे बढ़ाने की सहमति देते हुए संस्थान द्वारा चलाये जा रहे इस तरह के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

फोटो, 16एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 सभा को सम्बोधित करते अतिथि, सभा में उपस्थित लोग, दादी से मुलाकात करते कोठारी।